आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 09.06.2025 समय : 1905

<><><><><><><><>

- पिछले 11 वर्षों में, सरकार की प्रमुख योजनाओं के चलते पूर्वोत्तर दुनिया के सामने अपनी पहचान को गर्व से प्रदर्शित कर रहा है।
- क्यारी की ओर से मिनिकॉय में विकसित कृषि संकल्प अभियान पर कार्यक्रम आयोजित।
- भगवान बिरसा मुंडा की 125वीं पुण्यतिथि पर प्रधानमंत्री ने कहा –उनका बलिदान और समर्पण देश के लोगों को प्रेरित करता रहेगा।
- समाज कल्याण निदेशालय की ओर से महिलाओं के लिए कानूनी सहायता पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन ।

<><><><><><><><>

पिछले 11 वर्षों में, सरकार ने न केवल बुनियादी ढांचे के माध्यम से, बल्कि लोगों के माध्यम से पूर्वोत्तर में निवेश किया है। पीएम–देवाइन, नॉर्थ ईस्ट स्पेशल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम और एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स प्रोग्राम जैसी प्रमुख योजनाओं ने जमीनी स्तर पर प्रगति को गति दी है। वन धन योजना के माध्यम से तीन लाख से अधिक आदिवासी संग्रहकर्ताओं को सहायता प्रदान की गई है। 434 किसान उत्पादक कंपनियों ने संगठित कृषि व्यवसाय को समर्थन देकर दो लाख से अधिक किसानों को लाभान्वित किया है। यह क्षेत्र जैविक उत्पादन, खाद्य तेल और बांस, अगरवुड और एरी सिल्क जैसे पारंपरिक उत्पादों के लिए एक केंद्र के रूप में भी उभर रहा है। NEHHDC और NERAMAC ने बाजार तक पहुंच का विस्तार किया है, जिसमें स्थानीय कारीगरों और बुनकरों को डिजाइन सहायता, ब्रांडिंग और राष्ट्रीय मंचों से लाभ मिल रहा है। शिक्षा और स्वास्थ्य में, संकेतक लगातार बेहतर हो रहे हैं। साक्षरता दर में वृद्धि हुई है, और मिजोरम को ULLAS मिशन के तहत पूरी तरह से साक्षर घोषित किया गया है। जबकि असम में 15 अस्पतालों के साथ दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा कैंसर देखभाल नेटवर्क होगा। और सांस्कृतिक उत्सवों, संग्रहालय परियोजनाओं और असम के मोइदम के लिए यूनेस्को टैग जैसी वैश्विक मान्यता के माध्यम से, पूर्वोत्तर दुनिया के सामने अपनी पहचान को गर्व से प्रदर्शित कर रहा है।

<><><><><><><><>

केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान केन्द्र, श्री विजयपुरम के क्षेत्रीय केन्द्र ने कृषि विज्ञान केन्द्र, कवारत्ती के सहयोग से मिनिकॉय के किसानों के कल्याण के लिए हाल ही में विकसित कृषि संकल्प अभियान पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर बोलते हुए मिनिकॉय केन्द्र के प्रभारी डॉ. ग्लैडस्टन वाई ने अभियान के बारे में जानकारी दी और स्टेशन की विभिन्न गतिविधियों और प्रौद्योगिकियों के बारे में अपने अनुभव साझा किए। वैज्ञानिक डॉ. अजिना एस.एम. ने किसानों को मानसून के दौरान मत्स्य पालन के साथ–साथ मछली उत्पादन को स्थायी रूप से बढ़ाने के वैकल्पिक विकल्पों पर सलाह दी।

<><><><><><><><>

प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के तहत विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व –ईपीआर उत्पादकों, आयातकों और ब्रांड मालिकों को पुनर्चक्रण, पुनः उपयोग या पर्यावरण की दृष्टि से उचित निपटान विधियों के माध्यम से अपने प्लास्टिक पैकेजिंग कचरे का उचित प्रसंस्करण सुनिश्चित करने का आदेश जारी किया है। ईपीआर कार्यान्वयन को सुव्यवस्थित करने के लिए, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियमों में चौथे संशोधन के माध्यम से 'प्लास्टिक पैकेजिंग के लिए ई पी आर पर दिशानिर्देश' पेश किए। इसके तहत सी पी सी बी के साथ दो से अधिक राज्यों में संचालित उत्पादकों, आयातकों और ब्रांड मालिकों के पंजीकरण के लिए एक केंद्रीकृत ईपीआर पोर्टल विकसित किया गया है। प्लास्टिक अपशिष्ट प्रसंस्करणकर्ताओं को भी प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के अनुसार इस पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। नवीनतम संशोधन के अनुसार, प्लास्टिक उत्पादक, आयातक और ब्रांड मालिक केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा विकसित केंद्रीकृत ईपीआर पोर्टल पर खुद को पंजीकृत करा सकते हैं। ऐसा न करने पर उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत उचित कार्रवाई की जाएगी और जुर्माना भी लगाया जाएगा। पंजीकरण के लिए एसओपी को पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकता है।

<><><><><><><><>

आज भगवान बिरसा मुंडा की 125वीं पुण्यतिथि है। जिन्हें धरती आबा के नाम से जाना जाता है। उन्होंने शोषणकारी औपनिवेशिक व्यवस्था के खिलाफ़ आंदोलन का नेतृत्व किया और आदिवासी समुदायों के अधिकारों और सम्मान के लिए लड़ाई लड़ी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता संग्राम के महान नायक भगवान बिरसा मुंडा को उनके शहीदी दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अपना जीवन आदिवासी भाई–बहनों के कल्याण और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। श्री मोदी ने कहा कि उनका बलिदान और समर्पण देश के लोगों को प्रेरित करता रहेगा।

<><><><><><><><>

समाज कल्याण निदेशालय की ओर से महिलाओं के लिए कानूनी सहायता पर बुनियादाबाद में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सखी वन स्टॉप सेंटर के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के बारे में शिक्षित करना था। इस अवसर पर वार्ड पार्षद के. गणेशन ने युवा लड़कियों को दुव्यर्वहार और उत्पीड़न के खिलाफ आवाज़ उठाने को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के आयोजन पर आकाशवाणी समाचार से बातचीत करते हुए डॉ. नीतू सिंधु ने प्रकाश डाला।

<><><><><><><><>

समाज कल्याण निदेशालय के अंतर्गत वन स्टॉप केन्द्र ने साइबर सुरक्षा खतरों और साइबर कानूनों पर एक ऑनलाइन जागरूकता सत्र का आयोजन किया। इस अवसर पर सी आई डी के ए एस आई संजय हेनरी ने साइबर सुरक्षा समाधान के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि साइबर खतरों के हमलों की बढ़ती संख्या और उपयोगकर्ताओं को निशाना बनाते हैं। उन्होंने साइबर अपराध को रोकने के विभिन्न तरीकों पर भी प्रकाश डाला। वन स्टॉप केन्द्र की पैरा लीगल पर्सनल रूखसार रहीम ने प्रतिभागियों को भारतीय न्याय संहिता के बारे में जानकारी दी। केन्द्र की प्रशासक नीला बैद्य ने इस कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा–

<><><><><><><><>

स्कूल ऑफ नर्सिंग में शैक्षणिक वर्ष 2025–26 के लिए तीन वर्षीय जनरल नर्सिंग और मिडवाइफरी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए कॉमन एडमिशन पोर्टल पर आवेदन किया जा सकता है। इच्छुक उम्मीदवार 16 जून से 10 जुलाई की मध्य रात्रि तक आवेदन कर सकते हैं। अस्थाई वरीयता सूची 15 जुलाई को जारी की जाएगी। दावे और आपत्तियां 15 से 19 जुलाई दोपहर एक बजे तक स्वीकार किए जाएंगे। अंतिम वरीयता सूची तेईस जुलाई को प्रकाशित किया जाएगा और काउंसलिंग 30 अगस्त को जी बी पंत अस्पताल स्थित स्कूल ऑफ नर्सिंग में लिया जाएगा। अधिक जानकारी कॉलेज एडमिशन पोर्टल पर उपलब्ध है।

<><><><><><><><>

द्वीपसमूह के अधिकांश भागों में वर्षा हुई। आज सुबह साढ़े आठ बजे तक लांग आइलैंड में पैंतीस दशमलव छः मिलीमीटर, मायाबंदर में उनतीस, श्री विजयपुरम में छब्बीस, ननकौड़ी में उन्नीस, हटबे में चौदह दशमलव चार, कार निकोबार में बारह और वायु सेना केन्द्र कार निकोबार में सात दशमलव छः मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। मौसम संबंधी पूर्वानुमान में ग्यारह और बारह तारीख को द्वीपों के एकाध स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना जताई गई है। खराब मौसम के कारण मछुआरों को बारह जून तक समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

<><><><><><><><>